विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लक्खीसराय.
रूपम कुमारी , वर्ग-दशम, विषय-हिन्दी 🍂
दिनांक- ९/७/२०

🍂 अध्ययन-सामग्री 🍂.

सुप्रभात बच्चों ,

दी गई सामग्री को महत्वपूर्ण समझकर उसे अमल में लाएँ । कल आपको सारे विषयों के Deleted chapter की जानकारी दे दी गई है ।आपके syllabus के दायरे को सीमित कर आपको राहत दी गई है ,तो उसका फायदा उठाएँ ।

बहुत दिनों से आप क्षितिज को पढ़ रहे हैं ,जिसके कारण व्याकरण थोड़ा विस्मृत हो गया होगा ।और व्याकरण के किसी भी Topic

पर पकड़ बनाने के लिए निरंतर अभ्यास की जरूरत होती है । इस उद्देश्य से हम पूर्व पठित वाक्य एवं वाच्य से संबंधित प्रश्नावली को लेकर फिर से आए हैं -:

प्रश्नाभ्यास :.

निम्नलिखित वाक्यों को सरल वाक्य में बदलें –

- मैंने एक व्यक्ति देखा ,जो बहुत लंबा था ।
- यह एक प्रचलित प्रथा थी कि जब राजपूत युद्धभूमि से -जीतकर लौटता ,तो उसका स्वागत होता था ।
- अध्यापक चाहता है कि उनके शिष्य अच्छे बनें ।

- *जिन छात्रों ने परिश्रम किया ,वे उत्तीर्ण हो गए ।*

निम्नलिखित वाक्यों को मिश्र वाक्य में बदलें -.

मैंने एक -मोटा -ताजा हाथी देखा ।

उसने नौकरी के लिए प्रार्थना-पत्रक लिखा ।.

निम्नलिखित उपवाक्यों का भेद कोष्ठक में भरें -.

***वह,** जो सामने खड़ा है ,मेरा बेटा है ।.*

जिसने तुम्हें मूर्ख बनाया है, वह यही है ।.

निम्नलिखित वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय छाँट कर अलग करें –

हमने इस दशहरे का उत्सव उत्साह से मनाया ।

गोदान मुंशी प्रेमचंद की कालजयी रचना है ।

आज बस इतना ही .. अनदेखा न करें ।